सेखावाटी

वरणमाळा की पोथी

सेखावाटी वरणमाळा की पोथी

(Shekhawati Alphabet Book)

छपने का वर्ष: 2019

छपी पुस्तकों की संख्या: 100

© निर्माण सोसाइटी

द्वारा तैयार

कमलेश रोयल और विक्रम सिंह

द्वारा मदत

शेखावाटी समुदाय और मुकेश कुमार योगी

टाइपसेटिंग

रतन लाल योगी

प्रकाशक

निर्माण सोसाइटी

वार्ड नं.-6, खत्री कॉलोनी,

आथूना मोहल्ला, नवलगढ़, झुन्झुनू, राजस्थान-333042

Email-rajasthanlanguages@nirmaan.org.in

Web.-www.nirmaan.org.in

Ph.- 01594-223776

सब अधिकार सुरक्षित हैं

प्रकाशक की अग्रिम लिखित अनुमति के बिना, इस प्रकाशन का कोई भी भाग आण्विक, यांत्रिकी, रिकॉर्डिंग व अन्य किसी भी रूप में या अन्य माध्यम से पुन: उत्पादित नहीं किया जा सकता है और न ही पुन:प्राप्ति पद्धति में इसका भंडारण किया जा सकता है या प्रसारित किया जा सकता है।

ओळखाण

आपणी सेखावाटी ई आपणी सैसूं बडी पिछाण है। रहण-सहण अर पैराण लोगां की पिछाण बतादे है। आपां जठे बी जावां, बठे कै लोगां की सेखावाटी अर पैराण सूं पिछाण ज्यावां हां। सेखावाटी आपणै समाज, संसकरति अर आपणी धारा सूं जुड़ेड़ी है। आपणी धारा अर संसकरति नै बचाबा क्ले सैसूं पेली आपां नै आपणी सेखावाटी बचाबो जरूरी है। आपां ईनै बचाबा अर जण-जण तांई पूंचाबा क्ले "सेखावाटी आखर ग्यान की पोथी" नांव सूं एक पोथी बणाई है। आ पोथी आपणी मायड़ सेखावाटी कै मांय बणायेड़ी है। आ पोथी आपणै सेखावाटी की वरणमाळा कै सवरां अर ब्यंजना नै ले'र बणाई है। सेखावाटी कै मांय 10 सवर अर 31 ब्यंजन है। ई पोथी कै मांय आपणी धारा, संसकरति अर आपणी बोलचाल म आबाळा सबद अर बासूं जुड़ेड़ी फोटू ली है।

सगळी वरणमाळा ई पोथी कै मांय आ'गी। ई पोथी म हरेक ब्यंजन अर सवरां सूं बणबाळा च्यार सबद लिया है, जखा कै मांय सूं पेली आबाळा सबद की फोटू बी दियेड़ी है अर च्यार सबदां नै ले'र दो वाक्य बी बणायेड़ा है। जादातर सबदां म सरू, बीच अर आखर म लेबा की कोसिस करी है पण कई-कई सबद जंय्या (ण, ळ, ड़) अ सबदां कै बीच अर आखर म ई लिया है क्यूंकि आनै सरू म जोड़'र कोई सबद कोनी बणै।

आ पोथी थ्हानै सबदां नै वाक्य म कंय्या काम ले है, पढबो अर मांडबो सिखासी। आ सबदां नै पिछाणबो सीख ज्यास्यो तो पोथी म दियेड़ै सबदां का वाक्य नै पढ सको हो। जिसूं आगै की पोथी नै पढबा म बोळी मदत मिलसी। ई पोथी सूं म्हारी आ कोसिस है कि आपणै समाज का भोत सा लोग साकसर हो सकै।

सेखावाटी वरणमाला

सवर

अ	आ	इ	ई	उ
ऊ	ए	ऐ	ओ	अं

ब्यंजन

क	ख	ग	घ	
च	छ	ज	झ	
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	स
ह	ड़	ळ		

अ

अळगोजो

अळसेड़ो
अजवाण
अगेती

अळगोजो अळसेड़ा मांय पड़ग्यो।
ईबर अजवाण अगेती बोई है।

आ

आरी

आड़ू

आलू

आगळ

खातोड़ आरी सूं आड़ू काटर्यो है।
आलू को झोळो आगळ म टंगर्यो है।

इ

इसटोप

इसकूल
इकलोतो
इसाब

चपड़ासी इसकूल म इसटोप पै चा बणार्यो है।
मेरो इकलोतो छोरो इसाब कर्यो है।

ई

ईंट

ईस

ईसर

ईरखो

ईंट ईस पै पड़गी।

ईसर मेरै सूं ईरखो करै है।

उ

उरणियो

उजाड़
उधार
उगाई

उरणियो उजाड़ म चरै है।
राजू उधारा रिपियां की उगाई करै है।

ऊ

ऊखळी

ऊपर

ऊसारो

गऊ

टांड कै ऊपर ऊखळी धर रा'खी है।
ऊसारा मांय गऊ बड़गी।

ए

एडी

एकसी
एकलो
एतराज

मेरी अर मां की एडी एकसी है।
तू एकलो है जणा एतराज करै है।

ऐ

ऐरण

ऐरो

ऐनमोको

ऐब

ऐरण कन ऐरो घास पड़्यो है।
ऐनमोका पै ऐब नी करनो चाये।

ओ

ओढणी

ओलो

ओजूं

ओक

भाभी ओढणी सूं ओलो कर राख्यो है।
बेटा ओजूं ओक कर पाणी पीये।

अं

अंडो

अंगूर

अंगरेज

अंगड़ाई

परताप सैरऊं अंडा अर अंगूर ल्यायो है।
अंगरेज अंगड़ाई लेर्यो है।

क

कड़तू

कल्डी

मकड़ी

सल्डक

मेरी कड़तू कल्डी होगी।
सल्डक पै मकड़ी कठी होरी है।

ख

खरलो

खच्चर

आखर

पांख

खरलै म खच्चर पग म्हेल दियो।
छोरो पांख सूं आखर मांड्यो है।

ग

गड़तुमो

गळी

मंगर

जग

गळी मांय गड़तुमा पड़्या है।
मंगर पै जग पड़ग्यो।

घ

घण

घमका

घूघरा

चघा

घण का घमका होर्या है।
छोरी घूघरा बान्या चघा खेलै है।

च

चरखो

चड़स

कचकड़ो

मिरच

चरखा कन चड़स पड़ी है।

कचकड़ै कै डब्बा मांय मिरच पड़ी है।

छ

छल्लो

छपरो

पाछड़

राछ

छल्लो छपरा पै पड़्यो है।

छ्याळी की पाछड़ राछ सूं काटी।

ज

जरीकन

जगां

गाजर

अरज

बेटा जरीकन नै दूसरी जगां म्हेल दे।
चोखी गाजर होबा क्ले अरज करी।

झ

झरियो

झळ

बांझड़ी

झांझ

झरिया कै बास्ते की झळ लागगी।
बांझड़ी झांझ बजाण लागरी है।

ट

टकणो

टपको

कटको

खाट

टकणै पै लोई को टपको पड़ग्यो।
छोरो खाट पै बेठ्यो कटका काडर्यो है।

ठ

ठप्पो

ठडो

गठड़ी

गांठ

डाकियो ठप्पो ठडा सूं लगावै है।

बेटा गठड़ी कै गांठ लगा दे।

ड

डब्बो

डल्लो
बंडळ
स्यांड

डब्बो डल्ला पै पड़्यो है।
बंडळ पै स्यांड पग म्हेल दियो।

ढ

ढकणी

ढळाण

पढबो

साढ

छोरो ढकणी नै ढळाण सूं गुड़ादी।
छोरो साढ म पढबा क्ले गांम जासी।

ण

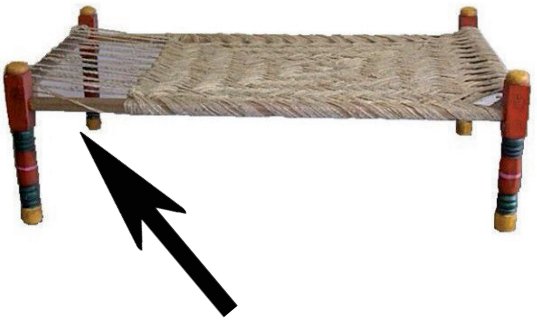

दावण

ताण

पाण

मण

बेटो दावण कै ताण देर्यो है।
ताऊ कै पाण सो मण नाज होयो।

त

तरबूज

तगारी

पातड़ी

परात

तरबूज तगारी कै मांय पड़्यो है।
पातड़ी परात कै सारै पड़ी।

थ

थण

थपारो

साथण

बांथ

थपारो थण कै हात लगाया बेठ्यो है।
मेरै साथण बांथ घाल राखी है।

द

दरी

दरबार
गदरो
गरद

दरबार कै मांय दरी बिछरी है।
गदरो गरद ऊं भरग्यो।

ध

धतूरो

धरनो

अधर

साध

बेटा धतूरा का बीज नाकै धरदे।
बातां नै अधर म मता साधै।

न

नळकी

नणद

मिनख

दान

नणद नळकी पै तागो समेटरी है।
मिनखा नै नाज को दान करनो चाये।

प

पतासा

पत्तो

पापड़

कांप

मां पतासा नै पत्ता पै म्हेल दिया।
कांप म पापड़ पड़ग्यो।

फ

फरसी

फरी

रांफलो

माफ

फरसी सूं फरी की जेवड़ी काट दी।
रांफलै की गळती माफ करदी।

ब

बड़ता

बक्सो

साबण

दूब

बड़ता नै बक्सा मांय म्हेल दिया।

दूब मांय साबण पड़ी है।

भ

भरूंट

भचीड़

भभक

भाभी

सीताराम भरूंटा कै मांय भचीड़ खा है।
भाभी कै घरां बास्ते की भभक उठरी है।

म

मखाणा

मळाई
झुमका
दाम

मां कन मखाणा मळाई म पड़ग्या।
मै झुमका का रोकड़ी दाम दिया हा।

य

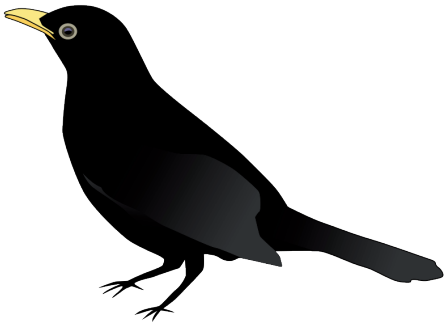

कोयल

यग

भायलो

मांय

दरखत पै कोयल बेठी है।
यग मांय भायलो बेठ्यो है।

र

रसगुला

रकम

सरम

गंवार

राजू रसगुलां की रकम चुका दी।
गंवार नै सरम कोनी आवै।

ल

लसण

लठ

पालक

साल

लसण की क्यारी म लठ पड़्यो है।
म्हारै ई साल पालक चोखो होयो।

व

चावळ

लावणी
कुंवर
चाव

घरगा चावळ खा'र लावणी करी।
कुंवर सा नै मीठै को चाव है।

स

सलगम

सळी

असर

आस

मां सलगम नै सळी करै है।
ओ असर आस को ई है।

ह

हथोड़ो

हळको

महल

रह

लुहार को हथोड़ो हळको है।
बादस्या महल कै मांय रह है।

ड़

रबड़

चड़स
कड़बी
दगड़

चड़स कन रबड़ पड़्यो है।
कड़बी कै मांय दगड़ पड़्यो है।

ळ

नाळ

अळबेटो
पाळ
सावळ

नाळ अळबेटा खार्यो है।
बेटा पाळ पै सावळ बेठज्या।